मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधिनियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

27 नवम्बर, 2024

मुक्त विश्वविद्यालय हरिवंश राय बच्चन के काव्य यात्रा एवं जीवन दर्शन पर संगोष्ठी का आयोजन

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के मानविकी विद्याशाखा के तत्वाधान में हिन्दी साहित्य के महान कवि एवं लेखक हरिवंश राय बच्चन जी की जयंती के अवसर पर दिनांक 27 नवंबर, 2024 को अपराह्न 03:00 बजे विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में ''हरिवंश राय बच्चन की काव्य यात्रा एवं जीवन दर्शन'' विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हिन्दी साहित्य के प्रतिष्ठत विचारक श्री रविनन्दन सिंह जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. सत्यकाम जी ने की।

इसके पूर्व कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव अनुपम ने संचालन तथा प्रोफेसर रुचि बाजपेई ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्या शाखा के निदेशक, शिक्षक, शोधार्थी एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए माननीय अतिथिगण

कार्यक्रम का संचालन करते हुए आयोजन सचिव अनुपम

माननीय अतिथियों को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वाबत करते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी

व्यवस्थित रचनाकार थे हरिवंश राय बच्चन– रविनंदन

संगोष्ठी के मुख्य वक्ता सरस्वती के संपादक तथा हिंदी के प्रतिष्ठित विचारक रवि नंदन सिंह ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन संतुलन के कवि तथा व्यवस्थित रचनाकार थे। उनकी रचनाएं जन सरोकारों तथा राष्ट्र से जुड़ी हैं। उन्होंने अपनी रचनाओं में समाज और व्यक्ति के बीच होने वाली क्रिया और प्रतिक्रिया को प्रतिबिंबित किया है। उन्होंने कहा कि साहित्यकार शब्दों की व्यंजनों को पकड़ता है। तब रचनाएं प्रस्फुटित होती हैं।

आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं बच्चन की कविताएं– प्रोफेसर सत्यकाम

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि हरिवंश राय बच्चन की कविताएं सीधे–सीधे आजादी के आंदोलन से जुड़ी हैं। बच्चन जी विशिष्ट धारा के कवि थे। आजादी से पूर्व वे मस्ती की कविताएं क्रांतिकारियों के लिए लिख रहे थे जबकि दिनकर, माखनलाल चतुर्वेदी तथा सुभद्रा कुमारी चौहान वीर रस की कविताएं लिख रही थीं। बच्चन जी की कविताओं में सामाजिक सौहार्द और राष्ट्रीयता का भाव प्रदर्शित होता है।

प्रोफेसर सत्यकाम ने कहा कि प्रयागराज में जो साहित्यकार रहे हैं मुक्त विश्वविद्यालय उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को आगे बढ़ाने में अपनी रचनात्मक भूमिका का निर्वाह करेगा। इसी कड़ी में महाकवि निराला की कविताओं का मंचन, प्रमुख रूप से राम की शक्ति पूजा का मंचन कराने के लिए उन्होंने मानविकी विद्या शाखा के निदेशक को निर्देशित किया।

धन्यवाद ज्ञापित करती हुई प्रोफेसर रुचि बाजपेई

राष्ट्रगान